

The Gazette of India

्र असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 449] No. 449]

नई दिल्ली, बुद्धवार, भ्रम्तूबर 31, 1979/कार्तिक <math>9, 1901

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 31, 1979/KARTIKA 9, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या पृत्रि जाती इर्षे जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(बौद्योगिक विकास विमाग)

ग्रावेश

म**ई बिल्ली, 31 अपन्यार, 197**9

का० भा० 621 (भ) :—केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास भीर विनियमन) मिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क के भाषीन जारी किए गए भारत सरकार के उद्योग मंद्रालय के भौद्योगिक विकास विभाग के भाषेग सं० का० भा० 70 (भ्र)/18 कक/माई ही भार ए/78, तारीख 6 फरवरी, 1978 ग्रारा, केरल स्टेट टैक्सटाइल कारपोरेशन लिमिटेड को कोट्टायम टैक्सटाइल लिमिटेड, कोट्टायम केरल, भामक सम्पूर्ण मोद्योगिक उपक्रम का प्रबंध, आवेश में विनिर्दिष्ट अविध के लिए, ग्रहण करने के लिए प्राधिक्वत किया है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उकत अधिनियम की धारा 18 क क की उपधारा (5) के साथ पठित धारा 18 क की उपधारा (2) द्वारा प्रवस्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, इससे उपायद्ध अनुसूची में ऐसे अपवायों, निर्वत्यों की प्रयोग करते हुए, इससे उपायद्ध अनुसूची में ऐसे अपवायों, निर्वत्यों धौर सीमाओं को विनिधिष्ट करती है जिनके अधीन रहने हुए, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) उक्त मौद्योगिक उपक्रम को उसी रीति में लागू होना रहेगा जिसमें वह धारा 18 क क के अधीन पूर्वोक्त आदेश कारी किए आने के पूर्व उसे सागू होता था।

घनुसूची

कम्पनी अधिनियम, वे अपवाद निबंन्धन श्रीर सीमाएं जिनके श्रधीन 1956के उपश्रंघ रहते हुए स्तम्भ (1) में विणित उपश्रंध उपक्रम को लागू होंगे

धारा 166 घारा 210(1)

1

इन घाराओं के उपबंध इस प्रकार लागू होंगे कि

गोदोगिक उपक्रम के तुलनपत्न तथा लाम

गोर हानि का लेखा वार्षिक साधारण अधिवेशन में रखा जाना आवश्यक महीं होगा।

गोदोगिक उपक्रम को प्राथिक रूप में तुलनपत्न तथा लाभ भौर हानि लेखा विहित अवधि
के भीतर तैयार करना होगा किन्तु वार्षिक
साधारण अधिवेशन मे उसके रखे जाने की
अपेका नहीं की जाएगी। कम्पनी, अपनी
कानूनी विवरणियां भौर तुलनपत्न तथा लाभ
भौर हानि लेखा कम्पनी के रिजस्ट्रार के
समक्ष फाइल करेगी। यह छूट कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की घारा
159 (1) के उपवंघों को प्रभावित नहीं
करती है।

घारा 215 धारा 217 इन घाराओं के उपबंध भौद्योगिक उपक्रमों को लागु नहीं होंगे। 1 2 धारा 224 इस धारा के उपबंध मौद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे किन्तु शर्त यह होगी कि संपरीक्षक की नियुक्ति केन्द्रीय सरकार करेगी।

[फा॰ सं॰ 3/17/77-सी॰ पृ॰ सी॰]

MINISTRY OF INDUSTRY (Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi, the 31st October, 1979

S. O. 621(E):—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry, Department of Industrial Development, No. S.O. 70(E)/18AA/IDRA/78, dated the 6th February, 1978 issued under section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government have authorised the Kerala State Textile Corporation Limited to take over the management of the whole of the industrial undertahing known as Kottayam Textiles Limited, Kottayam, Kerala for the period specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2) of section 18E read with sub-section (5) of Section 18AA, of the said Act, the Central Government hereby specifies in the Schedule annexed hereto, the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act 1956 (1 of 1956) shall continue to apply to the aforesaid industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the aforesaid order under section 18AA.

SCHEDULE

Provisions of the Companies Act, subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply to the undertaking

1 2

Section 166 Provisions of these sections shall not apply

Section 210(1) to the extent that the Balance Sheet and Profit and Loss Account of the industrial undertaking need not be placed before the Annual General Meeting. The industrial undertaking will have to prepare the Balance Sheet and Profit and Loss Account as usual within the prescribed time, but is not required to place the same before the Annual General Meeting. The Company shall file its statutory returns and balance sheet and profit and loss account with the Registrar of Companies. The exemp-

tion does not affect the provisions of section 159(1) of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

Section 215
Provisions of these sections shall not apply to the industrial undertaking.

Section 224
Provisions of this section shall not apply to the industrial undertaking, subject of the condition that the auditor shall be appointed by the Central Government.

[F.No. 3/17/77-CUC]

बारा 224

का॰ था॰ 622 (था): --- केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास धौर विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक के अधीन जारी किए गए भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय के धौथोगिक विकास विभाग के आदेश सं॰ का॰ धा॰ 83(ध)/18 कक/आई डी धार ए/78, तारीख 9 फरवरी, 1978 द्वारा, केरल राज्य ट्रक्सटाइल निगम लिमिटेड को प्रभूराम मिल्स लिमिटेड, जेंगनूर, केरल नामक सम्पूर्ण भौथोगिक उपक्रम का प्रबंध, आदेश विनिविष्ट अवधि के लिए, प्रहुण करने के लिए प्राधिकृत किया गया है;

मतः, भव, केन्द्रीय सरकार, उक्त मिनियम की घारा 18 कक की उपधारा (5) के साथ पटित घारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त मिक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपावद्ध मनूसूची में ऐसे ध्रपवादों, निर्वन्धनों भौर सीमामों को विनिर्धिष्ट करती है जिनके मधीन रहते हुए, कम्पनी मिनियम, 1956 (1956 का 1) उक्त भौद्योगिक उपक्रम को उसी रीति में लागू होता रहेगा जिसमें वह घारा 18 कक के भाषीन पूर्वोक्त मादेश जारी किए जाने के पूर्व उसे लागू होता था।

सनुसूची

कम्पनी घिधिनियम, वे घपयाद, निर्बन्धन घौर सीमाएं जिनके घधीन 1956 के उपबंध रहते हुए स्तंभ (1) में वर्णित उपबंध उपकम को लाग होंगे

1 इन धारामों के उपबंध इस प्रकार लागु होंगे **धारा 166** कि भौद्योगिक उपक्रम के तुलनपत्न तथा लाभ धारा 210(1) भौर हानि का लेखा वार्षिक साधारण भन्नि-बेशन में रखा जाना भावश्यक नहीं होगा। भौगोगिक उपक्रम को प्राधिक रूप में तुलन पक्र तथा लाभ भौर हानि लेखा विहित भवधि के मीतर तैयार फरना होगा किन्द्र वार्षिक साधारण ग्रधिवेशन में उसके रखे जाने की भपेका महीं की आएगी। कम्पनी, भपनी कानूनी विवरणियां भौर तुलनपक्ष तथा लाभ भीर हानि लेखा कम्पनी के रिकस्ट्रार के समक्ष फाइल करेगी। यह छट कम्पनी चिषिनियम, 1956 (1956 का 1) की बारा 159(1) के उपशंघों की प्रभावित महीं करती है। इन धाराधों के उपबंध धौद्योगिक उपक्रमों को बारा 215 षारा 217 लागुनहीं होंगें।

[फा॰ सं॰ 3/18/77-सी॰ यू॰ सी॰]

इस धारा के उपबंध भौद्योगिक उपक्रम को लाग्

की नियुक्ति केन्द्रीय सरकार करेगी।

नहीं होंगे किन्तु गर्त यह होगी कि संपरीक्षक

S.O.622(E): - Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry, Department of Industrial Development No. S.O. 83(E)/18AA/IDRA/78, dated the 9th February, 1978 issued under Section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government have authorised the Kerala State Textile Corporation Limited to take over the management of the whole of the industrial undertaking known as Prabhuram Mills Limited, Chengannur, Kerala for the period specified therein;

Now, therefore, the exercise of the powers conferred by subsection (2) of section 18E read with sub-section (5) of section 18AA of the said Act, the Central Government hereby specifies in the Schedule annexed hereto, the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act 1956 (1 of 1956) shall continue to apply to the aforesaid industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the aforesaid order under section 18AA.

THE SCHEDULE

Provisions of the Exceptions, restrictions and limitations Companies Act, subject to which the provisions mentioned 1956 in Column (1) shall apply to the undertaking 1 2 Section 166 Provisions of these sections shall not apply Section 210(1) to the extent that the Balance Sheet and Profit and Loss Account of the industrial undertaking need not be placed before the Annual General Meeting. The industrial undertaking will have to prepare the Balance Sheet and Profit and Loss Account as usual within the

and Loss Account as usual within the prescribed time but is not required to place the same before the Annul General Meeting. The Company shall file its statutory returns and balance sheet and profit and loss account with the Registrar of Companies. The exemption does not affect the provisions of section 159(1) of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

Section 215 Section 217 Provisions of these sections shall not apply to the industrial undertaking.

Section 224

Provisions of this section shall not apply to the industrial undertaking, subject of the conditions that the auditor shall be appointed by the Central Government.

[F.No. 3/18/77-CUC]

का० धा० 623(धा) ----केस्सीय सरकार ने, उधोग (विकास धौर विनियमन) घिषिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक के धारीन जारी किए गए घारत सरकार के उद्योग मंत्रालय के धौषोगिक विकास विधाग के घाषेश सं० का० घा० 84 (घ)/18 कक/माई डी धार ए/78, तारीख 9 फरवरी, 1978 द्वारा, केरल राज्य टैक्सटाइल निगम लिमिटेड को मलाबार धिपिग एंड वीविंग मिल्स लिमिटेड कालीकट केरच नामक सम्पूर्ण घौषोगिक उपक्रम का प्रवंध, घाषेश विनिधिच्ट घवधि के लिए, ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया है;

भतः, मब, केन्द्रीय सरकार, उक्त भिधिनियम को धारा 18 % की उपधारा (2) द्वारा प्रदस्त याकियों का प्रयोग करने हुए, इससे उपावद्ध भतुषुचों में ऐसे अगवादों, निर्वेन्धनों भीर मीमाओं को निर्निदिष्ट करती है जिनके भ्रानिन रहते हुए, कम्पनी भीधिनियम, 1956 (1956 का 1) उक्त भौद्योगिक उपक्रम को उसी रीति में सागू होता रहेगा जिसमें यह खारा 18 कक के भयीन पूर्वोक्त धावेश जारी किए जाने के पूर्व उसे लागू होता या।

10 CT 17 CT	
Mar. (1) (1)	

कम्पनी घछिनियम, 1956 के उपबंध	वे अपवाद, तिबेंग्यन और सीमाएं जिनके अधीन रहते हुए स्तंभ (1) में वॉणत उपवंध उपकम को लागू होंगे।
1	2
षारा 166 धारा 210(1)	इन घारामों के उपबंध इस प्रकार लागू होंगे कि बीधोगिक उपकम के तुलनपत्न तथा लाम भीर हानि का लेखा वार्षिक साधारण श्रीध- वेशन में रखा जाना मानश्यक नहीं होगा। श्रीधोगिक उपकम को प्राधिक रूप में तुलन पत्न तथा लाभ भीर हानि लेखा विहित श्रविध के भीतर तैयार करना होगा किन्तु वार्षिक साधारण श्रीधवेशन में उसके रखे जाने की श्रपेक्षा नहीं की जाएगी। कन्पनी, ध्रपनी कानूनी विवरणियां श्रीर तुलनपत्न तथा लाभ धौर हानि लेखा कम्पनी के रिजस्ट्रार के समझ फाइल करेगी। यह छूट कम्पनी श्रीध- नियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 159(1) के उपबंधों को प्रभावित नहीं करती है।
षारा 215 धारा 217	इन धारामों के उपबंध मौद्योगिक उपक्रमों को सागुनहीं होंगे।
घारा 224	इस धारा के उपबंध भौद्योगिक उपकम को लागू नहीं होंगे किन्तु शर्त यह होगी कि संपरीक्षक

[फा॰ सं॰ 3/19/77—सी॰ यू॰ सी॰] ब॰ राय, संयुक्त अविष

को नियुक्ति केन्द्रीय सरकार करेगी।

S.O. 623(E):—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry, Department of Industrial Development No. S.O. 84(E)/18AA/IDRA/78 dated the 9th February, 1978 issued under section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government have authorised the Kerala State Textile Corporation Limited to take over the management of the whole of the industrial undertaking known as Malabar Spinning and Weaving Mills Limited, Calicut, Kerala for the period specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2) of section 18E of the said Act, the Central Government hereby specifies in the Schedule annexed hereto, the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act 1956 (1 of 1956) shall continue to apply to the aforesaid industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the aforesaid order under section 18AA.

THE SCHEDULE

Provisions of the Exceptions, restrictions and limitations
Companies Act, subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply to the undertaking

2

				
Section 166	Provisions	of these	sections	shall not
Section 210(1)	apply to	the exten	it that th	e Balance

1

Sheet and Profit and Loss Account of
the industrial undertaking need not
be placed before the Annual General
Meeting. The industrial undertaking
will have to prepare the Balance Sheet
and Profit and Loss Accounts as usual
within the prescribed time but is not
required to place to same before the
Annual General Meeting. The Com-
pany shall file its statutory returns and
balance sheet and profit and loss account
with the Registrar of Companies. The

	Exemptions does not affect the provisions of section 159 (1) of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).
Section 215 Section 217	Provisions of these sections shall not apply to the industrial undertaking.
Section 224	Provisions of this section shall not apply to the industrial undertaking, subject of the condition that the auditor shall be appointed by the Central Govern- ment.

[F.No. 3/19/77-CUS] B. ROY, Joint Secy.